**Statement**

*the Names of the Promoters of the Application received for Establishment of New Sugars Factories in the State of Andhra Pradesh Pending Consideration (As on 31.7.1996).*

| 1. lo. | Name of the Promoter | Location With Distt. |
|---|---|---|
| Sh. | N.P. Ramakrishna | Bollapalli, Disst. Prakasam |
| Sh. | K.B. Venkata Rao | Thripuranthakam Disst. Prakasam |
| Sh. | D. Subbareddy | Gundlapadu/Kothapet Distt, Prakasam |

**ारतीय खाद्य निगम द्वारा खराब हुए खाद्यान्नों का खुले बाजार में बेचा जाना**

2824. श्री अजीत जोगी:
श्री एस॰ एस॰ सुरजेवाला:

क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतीय खाद्य निगम द्वारा वर्ष 1995-96 के ौरान खराब हुए खाद्यान्नों को किस दर पर बेचा गया;

(ख) वर्ष 1995-96 के दौरान भारतीय खाद्य निगम ो कितना घाटा हुआ; और

(ग) सरकार द्वारा ऐसी हानियों से बचाने के लिये कए गए उपायों के तौर पर निगम को पिछले तीन वर्षों ं दौरान कितनी वित्तीय सहायता प्रदान की गयी?

खाद्य मंत्री तथा नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता ामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री देवेन्द्र ासाद यादव): (क) और (ख) भारतीय खाद्य निगम के पास खराब हुए कोई खाद्यान्न नहीं है। तथापि, ारतीय खाद्य निगम में, भौतिक और जैविकी कारणों की जह से क्षतिग्रस्त गेहूं और चावल को क्षतिग्रस्त ाद्यान्नों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। ये खाद्यान्न ारतीय खाद्य निगम के पास पंजीकृत मंजूरशुदा ाइसेंसधारी व्यापारियों को पशु-चारा, मुर्गी दाना आदि ैयार करने के लिए बेच दिए जाते हैं। ये स्टाक खुले ाजार में नहीं बेचे जाते हैं। 1995-96 के लेखों को ंतिम रूप दिया जा रहा है। लेखों को अंतिम रूप देने और उनकी लेखापरीक्षा हो जाने के बाद क्षतिग्रस्त स्टाक के निपटान की औसत दर और 1995-96 के दौरान ेगम को हुई हानि की जानकारी उपलब्ध होगी।

(ग) खाद्यान्नों के क्षतिग्रस्त/खराब होने के कारण हुई हानियों की प्रतिपूर्ति करने के लिए अलग से कोई सहायता नहीं दी जाती है। तथापि, पिछले तीन वर्षों के दौरान भारतीय खाद्य निगम को खाद्य सब्सिडि के रूप में निम्नलिखित धनराशि रिलीज की गई थी:—

| | | |
|---|---|---|
| 1993-94 | 5537.14 | करोड़ रुपये |
| 1994-95 | 4509.00 | करोड़ रुपये |
| 1995-96 | 4960.30 | करोड़ रुपये |

**Developing Diamond Mines**

2825. SHRI RAGHAVJI: Will the Minister of MINES be pleased to state:

(a) whether Government are considering any proposal to develop diamond and other precious stone mining in MP.;

(b) if so, details therefor; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STEEL & MINISTER OF MINES (SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA): (a) to (c) No proposal for mining of diamond and other precious stones has been received from the Government of Madhya Pradesh. However, the State Government has forwarded five proposals for grant of prospecting licence from exploration of diamond and other precious stones. No decision has yet been taken in the matter.

**Tribunal for small and sick Industries**

2826. SHRI PARAG CHALIHA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Small Scale Industries Board has suggested constitution of tri-